राजभाषा में किए जा रहे कार्य की समीक्षा

दिनांक 28 नवंबर, 2022 को भाकृअनुप-राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र में किए जा रहे राजभाषा की गतिविधियों की समीक्षा हेतु एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में सहभागिता निम्नप्रकार से थी:

1. डॉ रामहरी गु. सोमकुवर, निदेशक (कार्यकारी)
2. श्री मनोज कुमार, तकनीकी अधिकारी, राजभाषा अनुभाग, मुख्यालय भाकृअनुप
3. डॉ अजय कुमार शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक
4. डॉ रोशनी समर्थ, वरिष्ठ वैज्ञानिक
5. डॉ प्रशांत निकुंभए, वैज्ञानिक
6. डॉ युक्ति वर्मा, वैज्ञानिक
7. श्री पी सी नोबल, प्रशासनिक अधिकारी

बैठक के प्रारंभ में डॉ अजय कुमार शर्मा ने सभी का स्वागत किया तथा अतिथि श्री मनोज कुमार जी से सभी का परिचय कराया। संस्थान के निदेशक ने राजभाषा में किएए जा रहे कार्य की जानकारी दी तथा आश्वस्त किया परिषद द्वारा दिए गये वार्षिक कार्यक्रम को पूर्णत: लागू करने के लिए यह संस्थान कटिबद्ध है। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2021 में संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण के दौरान हमारे संस्थान द्वारा किए गये कार्य की सराहना की गई। श्री मनोज कुमार ने भी इसका समर्थन किया। डॉ शर्मा ने अतिथि को हिन्दी पखवाड़ा के दौरान की गई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। पत्राचार के आंकड़ों के रखरखाव तथा निगरानी हेतु इस ससंथान द्वारा जारी किए गये सॉफ्टवेयर 'कोरा' के बारे में विस्तार से बताया तथा आशा व्यक्त की कि इस सॉफ्टवेयर के प्रयोग पत्रव्यवहार की निगरानी एवं रखरखाव का कार्य बहुत ही आसान हो जाएगा। श्री पी सी नोबल जी ने संस्थान के प्रसानानिक अनुभाग के द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में बताया तथा ट्रेनिंग द्वारा सभी कर्मचारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि कर अधिक से अधिक कामकाज हिन्दी में करने का आश्वासन दिया। श्री मनोज जी ने राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्य की सराहना की तथा धारा 3/3 एवं पत्राचार के निर्धारित मापदंडों के अनुपालन का सुझाव दिया। धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक का समापन हुआ।